प्रकाशनार्थ

पटना. 22 **अगस्त।** एशियन डेव्लपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में किंग्स कॉलेज, लंदन, में राजनीतिक अर्थव्यवस्था विभाग के प्रोफेसर इयान लेवली ने आज एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया कि कैसे अर्थशास्त्री लैब-इन-द-फील्ड प्रयोगों का उपयोग करके लोगों की सामाजिक वरीयताओं को मापते है।

जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाएं विकसित हो रही हैं, गरीबी, असमानता और संसाधनों तक सीमित पहुंच से निपटने के लिए नवीन समाधान ढूंढना सर्वोपरि है। विकास अर्थशास्त्र इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और ज्ञान की समझ और सीमाओं को कठोर प्रयोग के माध्यम से आगे बढ़ाता है।

विकास अर्थशास्त्र में प्रयोग के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों जैसे माइक्रोफाइनेंस और गरीबी उन्मूलन, शिक्षा और मानव पूंजी विकास, कृषि और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य देखभाल पहुंच और कल्याण, लैंगिक समानता और सशक्तिकरण पर केंद्रित हैं।

प्रोफेसर लेवली ने कहा कि लैब-इन-द-फील्ड प्रयोगों को संचालित करने के लिए कई खेलों का उपयोग किया जा सकता है। इन प्रयोगो के कुछ उदाहरण डिक्टेटर गेम, अल्टीमेटम गेम और पब्लिक गुड्स गेम हैं जिनका उपयोग करके अस्थिर कारकों (वरीयबल) के बीच के संबंधों की पहचान किया जाता है। उन्होने कहा कि ये गेम रैनडमआइज़ड कंट्रोल ट्राइल्स से सस्ते हैं और इन्हें बहुत छोटे पैमाने पर भी किया जा सकता है।

ये प्रयोग स्थानीय सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों/देशों में शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं जिससे निष्कर्षों की वास्तविक उपयोगिता और साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण में योगदान मिलता है।

प्रोफेसर लेवली ने नीदरलैंड, तंजानिया, युगांडा और अफगानिस्तान में लैब-इन-द-फील्ड प्रयोग किए हैं। वह वर्तमान में बिहार में आद्री के सहयोग से एक अध्ययन कर रहे हैं।

सत्र की अध्यक्षता आद्री की सदस्य-सचिव डॉ. अस्मिता गुप्ता ने की। मेदांता अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. रविशंकर सिंह और पूरे भारत के प्रतिष्ठित विद्वान इस वार्ता में ऑनलाइन शामिल हुए।

(अंजनी कुमार वर्मा)